डीएवीवी के यूटीडी परिसर में पत्रकारिता विभाग में बनाई नक्षत्र वाटिका

इंदौर।
अहिल्या यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में नक्षत्र वाटिका बनाई गई हैं। शुक्रवार को यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. रेणु जैन ने नक्षत्र वाटिका में पौधारोपण क्रर इसका लोकार्पण किया। विभाग की हेड डॉ. सोनाली नरगुंदे ने बताया कि नक्षत्र वाटिका में लगाए गए पौधों का भौगोलिक और ज्योतिषीय महत्व होता है। ज्योतिष के अनुसार 27 नक्षत्रों के अपने पौधे निर्धारित हैं। वाटिका में केला, आंवला, गूलर, जामुन, शीशम बांस, पीपल, चंदन, चमेली, नीम, रीठा और अन्य कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं।

विद्यार्थियों को मिलेगी रोचक जानकारी

डॉ. नरगुंदे ने कहा इन पौधों को लगाने का मकसद इनके महत्व को स्थापित करने के साथ पौधों की देखभाल की भावना को भी बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक अध्ययन के तहत किसी वाटिका को लगाने और उसके पोषण की जानकारी देना भी है। पत्रकारिता

विभाग में आने वाले विद्यार्थियों और अन्य लोगों को भी वाटिका में लगाए गए पौधों से कई तरह की जानकारी मिल सकेगी। कार्यक्रम में डॉ. आशुतोष मिश्रा और प्रो. डॉ. वृंदा टोकेकर भी शामिल हुई और पौधे रोपे। विभाग के एचओडी डॉ. नरगुंदे शुरू से ही प्रकृति प्रेमी रही है और वह समय-समय पर अपने विभाग के छात्रों से भी कैंपस में पौधे लगाने को लेकर हमेशा से ही जोर देती हुई नजर आई है। इस समय बारिश का समय चल रहा है और ऐसे में शुद्ध हवा देने के साथ ही औषधि से परिपूर्ण पौधों को लगने से कई तरह के फायदे भी विभाग को मिलेंगे।